MT EDUCARE LTD.

QUEST- I (Semi Prelim - I)
2017 - 18

अपठित गद्यांश एवं पद्यांश, गद्य - नेताजी का चश्मा, बालगोबिन भगत, लखनवी अंदाज, मानवीय करुणा की दिव्य चमक, **पद्य -** पद, राम-लक्ष्मण- परशुराम संवाद, सवैया, आत्मकथ्य, उत्साह अट नहीं रही है, **कृतिका -** माता का अँचल, जॉर्ज पंचम की नाक, **व्याकरण, लेखन**

CBSE - X

Roll No. | | | | | | | |

Code No. 52/1

Series LRH/1

•	खण्ड : क	: अपठित बोध	15 अंक
•	खण्ड : ख	: व्यावहारिक व्याकरण	15 अंक
•	खण्ड : ग	: पाठ्यपुस्तक क्षितिज व पूरक पाठ्पुस्तक कृतिका	30 अंक
•	खण्ड : घ	: लेखन	20 अंक

***Time allowed* :** 3 hours ***Maximum Marks* :** 80

HINDI COURSE - A

General Instructions :

(1) इस प्रश्न- पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड : 'क'

Q.1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[8]**

एक दिन बहुत तेज गर्मी पड़ रही थी । एक छोटे से कोटर (वृक्ष के घोंसले) में चातक-पुत्र प्यास से बेहाल हो रहा था । उसने अपने पिता चातक को बताया कि प्यास के मारे उसके प्राण चोंच तक आ गए हैं । पिता ने धैर्य रखने को कहा । उसने पुत्र को कहा कि हम केवल बादलों का जल ही ग्रहण करते हैं । यही हमारे कुल का व्रत है । पुत्र ने पिता की बात का विरोध करते हुए कहा कि ऐसा व्रत पालन करना व्यर्थ है । मैं इस व्रत को तोड़ूँगा । मेरे प्राण निकल रहे हैं । अत: मैं बादलों के स्थान पर किसी अन्य स्थान से जल ग्रहण करुंगा । क्या उस पोखरी से जल पीओगे जहाँ से अन्य पशु-पक्षी जल पीते हैं ? चातक-पुत्र पोखरे के गंदे जल की याद करते ही बेमन हो गया । वह बोला, ''मैं गंगाजल ग्रहण करुँगा ।'' पिता ने उसे कहा कि गंगाजी तो यहाँ से बहुत दूर है । वहाँ जाने के लिए पाँच दिन की उड़ान चाहिए । यदि तू नहीं मानता तो जा, पर रास्ते में कहीं और एक बूँद भी पानी मत पीना । चातक-पुत्र उड़ गया ।

बुध्दन बहुत गरीब था । वह पक्षाघात का रोगी था । उसका बेटा गोकुल 15-16 वर्ष का था और वही मजदूरी करके घर का खर्च चलाता था । चातक पुत्र उड़ते हुए उनके घर के आँगन के बीच नीम के वृक्ष पर विश्राम करने के लिए उतरा । उस दिन गोकुल ने घर लौटने में बहुत देर कर दी । बुध्दन दुखी हो रहा था । गोकुल पिता के पास आकर रोने लगा । पिता के पूछने पर उसने बताया कि उसे रास्ते में एक बटुआ पड़ा हुआ मिला । इसमें काफी रुपये थे उसे अपने पिता की शिक्षा याद आ गई और वह बटुए के मालिक को ढूंढने लगा । उसे दूर जाती एक गाड़ी दिखाई दी । उसमें महतो बैठे थे । महतों ने तो उसको दो रुपये इनाम देने चाहे, पर गोकुल ने साफ इंकार कर दिया। गोकुल ने कहा, ''मेरे पिता ने किसी से भीख लेने के लिए मना किया है । मुफ्त के रुपये मैं न लूँगा ।''

गोकुल की बातें सुनकर बुध्दन की आँखों से झर-झर आँसू बहने लगे । उसे अपने पुत्र की ईमानदारी पर गर्व हुआ । उसके निर्जीव शरीर में स्फूर्ति आ गई । जब बेटे ने महतो से उधार न माँगने के लिए अपनी भूल का जिक्र किया तो पिता ने कहा, ''अच्छा ही किया बेटा, जो तू महतो से रुपये उधार नहीं लिया । यह उधार माँगना भी एक तरह का माँगना ही होता है ।'' बुध्दन ने बेटे से कहा ''जिस तरह चातक अपने प्राण देकर भी मेघ के सिवा किसी दूसरे का जल लेने का व्रत नहीं तोड़ता उसी तरह तू भी ईमानदारी की टेक न छोड़ना । चाहे जितनी बड़ी विपत्ति पड़े, अपनी नियत न डुलाना ।''

इस बात को वृक्ष के ऊपर बैठा हुआ चातक-पुत्र सुन रहा था । वह अपनी भूल समझ गया । प्रात: होते ही वह अपने कोटर की दिशा में लौट चला । अब उसकी उड़ान तेज हो गई थी । उसे कोटर तक पहुँचने में सात दिन लग गए । अगले ही दिन बादलों ने ऐसी झड़ी लगा दी थी कि उसे रास्ते में कई जगह रुकना पड़ा था । इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि हमें कष्ट उठाकर भी अपने व्रत का पालन करना चाहिए । व्रत का फल अवश्य मिलता है ।

प्रश्न :

(क) चातक-पुत्र की क्या दशा थी ? इसका कारण क्या था ? **[2]**

(ख) उसने अपने पिता से क्या कहा और उसने क्या उत्तर दिया ? **[2]**

(ग) चातक-पुत्र ने क्या निश्चय प्रकट किया ? **[2]**

(घ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपर्युक्त शीर्षक लिखिए । **[1]**

(ङ) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ? **[1]**

Q.2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [7]

सामने कुहरा घना है
और मैं सूरज नहीं हूँ
क्या इसी अहसास में जिऊँ
या जैसा भी हूँ नन्हा-सा
एक दिया तो हूँ
क्यों न उसी की उजास में जिऊँ ?
हर आने वाला क्षण
मुझे यही कहता है -
अरे भई, सूरज तो नहीं हो तुम
और मैं कहता हूँ -
न सही सूरज
एक नन्हा दिया तो हूँ
जितनी भी है लौ मुझमें
उसे लेकर जिया तो हूँ ।
कम-से-कम मैं उनमें तो नहीं
जो चाँद दिल के बुझाए बैठे हैं
रात को अमावस बनाए बैठे हैं
उड़ते फिर रहे थे जो जुगनू आँगन में
उन्हें भी मुट्ठियों में दबाए बैठे हैं ।

प्रश्न :

(क) इस कविता में मुख्य रूप से क्या बात कही गई है ? एक वाक्य में लिखिए । **[2]**

(ख) रात को अमावस बनाने का क्या अर्थ है ? **[2]**

(ग) 'कुहरा' किसका प्रतीक है ? **[1]**

(घ) लेखक स्वयं को नन्हा दीपक क्यों कहता है ? **[1]**

(ङ) सूरज, दिया, चाँद, जुगनू किसके प्रतीक हैं ? **[1]**

खण्ड : 'ख'

Q.3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए । **[1 × 3 = 3]**

(क) अध्यापिका ने छात्रा की प्रशंसा की तथा उसका उत्साह बढ़ाया । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) जो ईमानदार है वही सम्मान का सच्चा अधिकारी है । (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) ज्यों ही घंटी बजी छात्र अंदर चले गए । (रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए)

Q.4. निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए । **[1 × 4 = 4]**

(क) हम रात भर कैसे जागेंगे ? (भाव वाच्य में बदलिए)

(ख) तानसेन को संगीत सम्राट कहते हैं । (कर्तृ वाच्य में बदलिए)

(ग) उनके द्‌वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया गया । (कर्तृ वाच्य में बदलिए)

(घ) माँ ने अवनि को पढ़ाया । (कर्म वाच्य में बदलिए)

Q.5. रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए । **[1 × 4 = 4]**

(क) आज समाज में <u>विभीषणों</u> की कमी नहीं है ।

(ख) रात में <u>देर तक</u> बारिश होती रही ।

(ग) हर्षिता निबंध <u>लिख रही है</u> ।

(घ) इस पुस्तक में <u>अनेक</u> चित्र हैं ।

Q.6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए । **[1 × 4 = 4]**

(क) श्रृंगार रस के भेदों के नाम लिखिए ।

(ख) करुण रस का मूल स्थायी भाव लिखिए ।

(ग) अद्‌भुत रस का अनुभाव लिखिए ।

(घ) हास्य रस से संबंधित काव्य पंक्तियाँ लिखिए ।

खण्ड : 'ग'

Q.7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[5]**

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देश भक्त का इस तरह मजाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा । मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए । एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था । तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं ! फेरी लगाता है ! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए । पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं ? क्या यही इसका वास्तविक नाम है ? लेकिन पानवाले ने साफ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं । ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था । काम भी था । हालदार साहब जीप में बैठकर चले गए ।

प्रश्न :

(क) हालदार को कौन-सी बात बुरी लगी ? **[2]**

(ख) हालदार क्या देखकर हैरान रह गया ? **[2]**

(ग) चश्मे वाले के व्यवसाय और उसकी दशा का वर्णन कीजिए । **[1]**

Q.8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए । [2 × 4 = 8]

(क) नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक- मिर्च बुरका, अंततः सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा ? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है ? **[2]**

(ख) फादर बुल्के भारतीय संस्कृति के एक अभिन्न अंग हैं, किस आधार पर ऐसा कहा गया है ? **[2]**

(ग) भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं? **[2]**

(घ) कोई नकारात्मक मनुष्य चश्मे बदलने की घटना पर कैसी प्रतिक्रिया कर सकता है ? **[2]**

Q.9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [5]

मन की मन ही माँझ रही ।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही ।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही ।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही ।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तै, उत तैं धार बही ।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही ।।

प्रश्न :

(क) किसके मन की बात मन में रह गई और क्यों ? **[2]**

(ख) गोपियों की विरहाग्नि और भी अधिक दग्ध क्यों हो रही है ? **[2]**

(ग) गोपियाँ क्या व्यथा सह रही थीं और किसके बल पर सह रही थीं? **[1]**

Q.10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए । [2 × 4 = 8]

(क) कवि ने 'श्री ब्रजदूलह' किसके लिए प्रयुक्त किया है और उन्हें संसार रूपी मंदिर का दीपक क्यों कहा है ? **[2]**

(ख) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन- कौनसे तर्क दिए ? **[2]**

(ग) स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है ? **[2]**

(घ) फाल्गुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है ? **[2]**

Q.11. रानी एलिजाबेथ के दरजी की परेशानी का क्या कारण था ? उसकी परेशानी को आप किस तरह तर्कसंगत ठहराएँगे ? **[4]**

अथवा

कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत करता है ?

खण्ड : 'घ'

Q.12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 - 250 शब्दों में निबंध लिखिए । **[10]**

(क) **यदि मैं प्रधानमंत्री होता !**

यदि आपको भारत का प्रधानमंत्री बना दिया जाता तो आप विदेश नीति, देशद्रोह, भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता, औद्योगिक विकास और विदेशी संस्कृति के बढ़ते मोह पर क्या नीति अपनाते–यह बताते हुए एक निबंध लिखिए ।

विचार-बिंदु –
- मेरी कल्पना
- मेरी विदेश नीति
- देशद्रोह की समाप्ति
- भ्रष्टाचार पर रोक
- सांप्रदायिकता पर रोक
- औद्योगिक विकास पर बल
- विदेशी संस्कृति पर रोक ।

(ख) **विज्ञान : वरदान या अभिशाप**

विज्ञान मानव–जीवन के लिए वरदान तो है ही, परंतु कभी–कभी इसका विकृत रूप भी हमारे सामने आता है । दोनों पक्षों का विवेचन करते हुए अपनी धारणा स्पष्ट कीजिए ।

विचार-बिंदु –
- विज्ञान : एक वरदान
- विज्ञान : एक अभिशाप
- अमानवीयता
- निष्कर्ष ।

(ग) **कंप्यूटर और टी.वी. का प्रभाव**

कंप्यूटर और टी.वी. ने आपके जीवन को प्रभावित किया है । उसका प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों हैं । दोनों पक्षों का विवरण देते हुए आप नकारात्मक प्रभाव से बचने के सुझाव भी दीजिए ।

विचार-बिंदु –
- कंप्यूटर और टी.वी. का बढ़ता प्रचलन
- सकारात्मक प्रभाव
- नकारात्मक प्रभाव
- नकारात्मक प्रभाव से बचने के उपाय ।

Q.13. आपने हिंदी बुक सेंटर, इंदौर से कुछ पुस्तकें मँगवाई थीं । वे फटी हुई है । इसकी शिकायत करते हुए पुस्तक वापस करने की सूचना दीजिए । **[5]**

अथवा

समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखकर अपने मुहल्ले में लाउडस्पीकरों के शोर के कष्ट का वर्णन कीजिए ।

Q.14. मोबाइल का नया शोरूम खुला है– 'मोहन मोबाइल्स' नाम से । सभी प्रकार के मोबाइल्स की खरीद के लिए ग्राहकों को सूचना देते हुए विज्ञापन तैयार कीजिए । **[5]**

अथवा

एक नई स्कूटी, जिसकी तेल-खपत 80 किलोमीटर प्रति लीटर है– आस्था स्कूटी । इसका विज्ञापन तैयार कीजिए। कंपनी का पता है– 300, इंडस्ट्रियल स्टेट, पंजाब।

All the Best